मूल्यवर्धन
शांतिलाल मुथ्था फ़ाउंडेशन

विद्यार्थी गतिविधि पुस्तिका

कक्षा : तीसरी

नाम : .....

स्कूल का नाम : .....

कक्षा : ..... वर्ग : .....

ज्ञानसेवा तु साफल्यम्

महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद (विद्या प्राधिकरण), पुणे

क्रम-सूची

मेरा परिवार	1	नितिन का दोस्त	17
मेरा घर और मेरे पड़ोसियों के घर	1	अच्छे दोस्त	20
मेरी महत्त्वाकांक्षा	2	कथन पूरा करें	21
सचिन याद करते हैं.....	2	ग़लतफ़हमी	22
मुझे मदद करने वाले लोग	4	परिवार का वृक्ष	23
मेरे गुण	5	दुनिया के बच्चे	24
आपको चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?	6	हम पेड़ों को कैसे बचा सकते हैं?	26
बच्चे क्या कर रहे हैं?	7	पेड़ बचाओ	27
चित्र में रंग भरें और शीर्षक दें	7	6 चरणों में कागज़ का हवाई जहाज़ बनाएँ	28
आप क्या करेंगे?	8	ये क्या काम कर रहे हैं?	29
क्या हो सकता है?	11	स्व-मूल्यांकन	30
शेर का भूत?	13	खाली समय की गतिविधियाँ	31
धन्यवाद, यास्मीन टीचर!	16	शिक्षक की टिप्पणी	42

निर्माण व प्रकाशन :

संचालक, महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद (विद्या प्राधिकरण), पुणे

संस्थापक, शांतिलाल मुथ्था फ़ाउंडेशन, पुणे

मुद्रक : रुना ग्राफिक्स, पुणे

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करण : जून 2018

शिक्षकों के लिए सुझाव :

यह पुस्तिका प्राथमिक स्कूल के लिए शिक्षक गतिविधि पुस्तिका में कक्षा-3 से संबंधित है।

भाग 3 : मेरे संबंध

1. आओ, सबका सम्मान करें

विस्तार

यह पहचानना कि हर एक, यहाँ तक कि बच्चों को भी सम्मान पाने का अधिकार है।

अध्ययन दक्षता

1. बच्चे बताते हैं कि सभी का सम्मान किया जाना चाहिए।
2. बच्चे युवा और बुजुर्गों को सम्मान देने से जुड़े अनुभव साझा करते हैं।

सामग्री

विद्यार्थी गतिविधि पुस्तिका।

अनुदेश

1. जोड़ियाँ बनाएँ और उन्हें अपनी गतिविधि पुस्तिका से 'धन्यवाद, यास्मीन टीचर!' कहानी पढ़ने के लिए कहें (पृष्ठ क्रमांक–16)। उन्हें बताएँ कि कहानी पढ़ने और समझने के लिए वे दूसरी जोड़ियों की मदद ले सकते हैं ।
2. जोड़ियों को कहानी के अंत में दिए गए प्रश्नों पर सोचने के लिए कहें।
3. एक जोड़ी से कक्षा के सामने अपने उत्तर बताने के लिए कहें।
4. शेष कक्षा से पूछें : आपको क्या सोचते हैं? क्या आपको कुछ अलग कहना है?
5. बच्चों से पूछें :
   - क्या आपको लगता है कि बड़ो को बच्चों का सम्मान करना चाहिए?
   - क्या आप आपसे छोटे बच्चों का सम्मान करते हैं?
   - क्या आप कोई ऐसी घटना बता सकते हो, जिसमें आपने किसी बुजुर्ग या आपसे छोटे बच्चे का सम्मान किया हो?
6. अनुभव साझा करने वाले बच्चों की सराहना करें।

धन्यवाद, यास्मीन टीचर!

यास्मीन के दादाजी बच्चों की कहानियाँ लिखते थे। यास्मीन और उसके दोस्तों को उनकी कहानियाँ पढ़ना पसंद था।

यास्मीन अपने दादाजी को ''माम्मा'' कहकर बुलाती थी। कुछ दिनों बाद माम्मा को अपने हाथों से लिखने में तकलीफ़ होने लगी। उन्हें एक कहानी लिखने में ही बहुत समय लगने लगा।

एक दिन, यास्मीन ने उनसे कहा, ''माम्मा, आप कहानियाँ कंप्यूटर (संगणक) पर क्यों नहीं लिखते हैं? आप कंप्यूटर पर तेज़ी से लिख सकेंगे।'' माम्मा ने कहा, ''मुझे कंप्यूटर इस्तेमाल करना नहीं आएगा, क्योंकि मैं बूढ़ा हो गया हूँ।''

यास्मीन ने कहा, ''मैं आपको कंप्यूटर का इस्तेमाल करना सिखाऊँगी! यह आसान है!'' माम्मा को भरोसा नहीं था कि वे कंप्यूटर का इस्तेमाल करना सीख सकेंगे, लेकिन यास्मीन ने आग्रह किया। फिर 'कंप्यूटर की कक्षाएँ' घर में ही शुरू हो गईं। कुछ दिनों में, यास्मीन के दादाजी ने कंप्यूटर पर टाइप करना सीख लिया।

एक सप्ताह के बाद, उन्होंने कंप्यूटर पर टाइप करके एक नई कहानी लिखी। ख़ुश होकर उन्होंने यास्मीन को बुलाया, उसे वह कहानी सुनाई और कहा, ''धन्यवाद, यास्मीन!''

कहानी के अंत में यास्मीन के दादाजी ने उससे जिस तरह बात की, उसके बारे में आप क्या सोचते हैं?

मूल्यवर्धन

शांतिलाल मुथ्था फ़ाउंडेशन

महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक संशोधन व प्रशिक्षण परिषद (विद्या प्राधिकरण), पुणे

708, सदाशिव पेठ, कुमठेकर मार्ग, पुणे, 411 030